NCERTENGLISH.IN
LEARN, GROW AND ACHIEVE WITH US

# The Rattrap Summary

The Rattrap is a story about a rattrap seller who leads a very poor life as his earnings are very low. He has to resort to thievery and begging to make both ends meet.

The Rattrap is a story about a poor vagabond who leads his life by selling rattraps. He himself makes these rattraps. He lives alone in this whole world and leads a miserable and pitiful life. He is not welcome anywhere. Being a homeless person, he stalks along the roads of the country throughout the year. He has philosophical views towards life. One of these thoughts is of supposing the whole world as a big rattrap. His views are that the world offers us various types of baits in the form of the comforts of life. This in return traps us into the rattrap of the world and leads us to various types of miseries.

Every night, the peddler had to search for shelter as he had no home. One evening he was offered shelter by an old crofter. The next morning he stole the crofter's money which he had earned by selling his cow's milk. To save himself from being caught, the peddler chose the path through the forest which was secluded but soon found himself trapped in the forest as he wasn't able to find the way out of the dense forest.

Later, he finds a way to a forge and takes shelter there. Something unusual happens. The ironmaster mistakes him as an old friend and invites him to his house. The poor peddler rejects the offer due to the fear of being caught. Soon he is invited by the ironmaster's daughter. The next morning he is somehow stopped by the ironmaster's daughter for Christmas Eve even after being caught that he was a peddler and not Captain Stahle.

The next day after Christmas, when the ironmaster and his daughter visit the church, they come to know that the man is a thief who had stolen money from the old crofter. The ironmaster and his daughter repent for sheltering a thief and wonder at what all things he would have stolen by that time. Here comes a twist as instead of stealing, the peddler gifts the ironmaster's daughter a rattrap. She finds a letter of thanks and the stolen money inside the rattrap.

The peddler shows his gratefulness towards Edla for her kindness and requests her to return the stolen money to the crofter. This story gives us the message that goodness in a human being can be awakened at any time with your own good deeds.

# The Rattrap Summary in Hindi

"चूहेदानी" एक गरीब आवारा व्यक्ति की कहानी है जो चूहेदानी बेचकर अपना जीवन व्यतीत करता है। ये चूहेदानी वह खुद बनाता है। वह इस पूरी दुनिया में अकेला रहता है और दुखी और दयनीय जीवन व्यतीत करता है। उसका कहीं स्वागत नहीं है। एक बेघर व्यक्ति होने के नाते, वह साल भर देश की सड़कों पर डगमगाता है। जीवन के प्रति उसके विचार दार्शनिक हैं। इनमें से एक विचार यह है कि पूरी दुनिया को एक बड़ी चूहेदानी के रूप में मान लिया जाए। उनका विचार है कि संसार हमें जीवन के सुख-सुविधाओं के रूप में तरह-तरह के प्रलोभन देता है। यह बदले में हमें संसार के चूहेदानी में फँसाता है और हमें विभिन्न प्रकार के दुखों की ओर ले जाता है।

हर रात, फेरीवाले को आश्रय की तलाश करनी पड़ती थी क्योंकि उसके पास घर नहीं था। एक शाम उसे एक बूढ़े जमींदार ने शरण दी। अगली सुबह उसने जमींदार का वह धन चुरा लिया जो उसने अपनी गाय का दूध बेचकर कमाया था। फेरीवाले ने खुद को पकड़े जाने से  बचाने के लिए जंगल के बीच से रास्ता चुना, जो सुनसान था, लेकिन जल्द ही उसने खुद को जंगल में फँसा पाया क्योंकि वह घने जंगल से बाहर निकलने का रास्ता नहीं खोज पा रहा था।

बाद में, वह एक फोर्ज का रास्ता ढूंढता है और वहां शरण लेता है। कुछ असामान्य होता है। मिल मालिक आयरनमास्टर उसे एक पुराना दोस्त समझने की गलती करता है और उसे अपने घर आमंत्रित करता है। बेचारा फेरीवाला पकड़े जाने के डर से ऑफर ठुकरा देता है। जल्द ही उसे आयरनमास्टर की बेटी ने आमंत्रित किया। अगली सुबह उसे आयरनमास्टर की बेटी द्वारा क्रिसमस की पूर्व संध्या के लिए रोका गया, यह पकड़े जाने के बाद भी कि वह एक पेडलर था न कि कैप्टन स्टाहले।

क्रिसमस के अगले दिन, जब आयरनमास्टर और उसकी बेटी चर्च जाते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि वह आदमी एक चोर है जिसने पुराने जमींदार के पैसे चुराए थे। आयरनमास्टर और उसकी बेटी एक चोर को पनाह देने के लिए पछताते हैं और आश्चर्य करते हैं कि उस समय तक उसने क्या-क्या चीजें चुरा ली होंगी। यहां एक मोड़ आता है, क्योंकि फेरीवाला चोरी करने के बजाय आयरनमास्टर की बेटी को एक चूहेदानी उपहार में देता है। उसे चूहेदानी के अंदर एक धन्यवाद पत्र और चुराया हुआ पैसा मिलता है।

फेरीवाला एडला की दयालुता के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रदर्शित करता है और उससे चोरी किए गए धन को जमींदार को वापस करने का अनुरोध करता है। यह कहानी हमें यह संदेश देती है कि मनुष्य में अच्छाई कभी भी अपने अच्छे कर्मों से जाग्रत हो सकती है।